

5/5/25

पान्थेडा इरी वारी त्वं वहील वही अनुपमित ।
 वारी त्वं वहील वही को न्यपालप उपमित हो
 देव बाट. २ आवाज लवार्क जरी लदपांल न्यपालप
 उपमित नही इतः दावा वारी अकम दाधिनी
 अकम केकी मं गनी मल पल वारिय सिध
 जाता है
 पावनी केवल गुहाल होकर नंबर ल
 अक होकर दाधिल वल्ल हो ॥

